ओमशान्ति मीडिया

OM SHANTI GLOBAL FAMILY
PLATINUM JUBILEE
75
BRAHMAKUMARIS
2011

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 12 | अंक - 19 | जनवरी - I, 2012 | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | मूल्य 7.00 रु.

युवाओं के रूझान में सकारात्मक बदलाव के संकेत

'मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता' विषय पर दिए गए डिप्लोमा एवं डिग्रियां

दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ.एम.रामनाथन तथा ब्र.कु.निर्वैर मंचासीन हैं।

शान्तिवन। 'मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता' विषय पर पीजी डिप्लोमा एवं एमएससी पास कर चुके नीली एवं लाल टोपी धारक सैकड़ों ब्रह्माकुमार भाई-बहनों को जब स्वर्ण पदक एवं डिग्रियां भेंट की गईं तो यह आशा की किरण जगी कि अवश्य ही ये आध्यात्मिक युवा समाज को मूल्यों से सज्जित करेंगे। अन्नामलाई विश्वविद्यालय एवं ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में पहली बार किसी विश्वविद्यालय द्वारा इतनी बड़ी संख्या में मूल्य शिक्षा पर इतनी डिग्रियां दी गईं।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ.एम.रामनाथन ने कहा कि युवाओं को मूल्य आधारित शिक्षा देने का यह हमारा पहला प्रयास था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि युवाओं में ऐसा रूझान होगा, लेकिन ब्रह्माकुमारी संस्था के सद्प्रयासों से यह कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। अब यह विश्वास जगने लगा है कि युवाओं में अब सकारात्मक बदलाव बढ़ता जायेगा। पूरे देश के युवाओं ने खुशी-खुशी इसे अपनाया तथा रुचि से अध्ययन कर अच्छे अंकों से पास किया।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि जिस ध्येय को सामने रखकर यह पाठ्यक्रम आरंभ किया गया था वह हासिल होता दिखाई दे रहा है। युवा आध्यात्मिकता के बल से अवश्य ही स्वयं को व अन्य आत्माओं को सशक्त बना सकते हैं। अब आवश्यकता है कि सरकार भी मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास करे।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.आर.मीनाक्षी सुंदरम् ने कहा कि अब यह पाठ्यक्रम अन्य सभी विश्वविद्यालयों में भी लागू कर देना चाहिए ताकि युवा मूल्यों के प्रति जागरूक बने और अपना जीवन श्रेष्ठ संस्कारमय बना सके।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि नैतिक व चारित्रिक स्तर को ऊँचा उठाना ही शिक्षा का मकसद होना चाहिए। बाल्यावस्था में ही दिव्य गुण व संस्कार भरना आवश्यक है तभी बड़े होने तक वे संस्कार पक्के हो सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.निर्वैर ने कहा (शेष पेज 8 पर)

डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिग्री धारक ब्रह्माकुमार भाई-बहनें